चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय
समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 12.1.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 2-4

प्रदेश में पौधों की किस्म में बदलाव व वायरल डिजीज जानने को एचएयू और एमएचयू में 4.63 करोड़ से बनेगी टिश्यू कल्चर लैब

2.50 करोड़ से 25 लाख पौधे प्रति वर्ष होंगे तैयार, किसानों को बीज के लिए नहीं भटकना होगा

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्व विद्यालय और महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय में 4.63 करोड़ रुपए से टिश्यू कल्चर लैब स्थापित होनी जा रही है। यह हरियाणा की पहली ऐसी लैब होगी जोकि पौधों में होने वाले वायरल डिजीज की पहचान कर सकेगी, इसके साथ ही किसानों को अब बीज खराब होने जैसी दिक्कतों का सामना भी नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि इस लैब में जेनेटिक फेडिलिटी की सुविधा भी रहेगी।

दरअसल, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत केन्द्र सरकार ने एचएयू के लिए में इस लैब की स्थापना को 2.13 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं तो इसी प्रकार 2.50 करोड़ रुपये से करनाल स्थित एमएचयू में भी एक लैब स्थापित की जाएगी। खास बात है कि यह लैब बीसीआईएल से सर्टिफाइड होगी। इसके जरिए किसान हिसार और करनाल दोनों ही शहरों में अपने बीज और पौधों की टेस्टिंग करा सकेंगे। एचएयू के वीसी प्रो. केपी सिंह ने बताया कि लैब के माध्यम से हमारा उद्देश्य रहेगा कि किसानों को रोगमुक्त पौधे मिलें। प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों में इस लैब के स्थापित होने से निश्चित ही तकनीकी रूप से किसानों व वैज्ञानिकों का मदद मिलेगी।

जानिए.... क्या है टिश्यू कल्चर तकनीक

टिश्यू कल्चर पौधे तैयार करने की वैज्ञानिक तकनीक है। जो पुरातन काल की भारतीय पद्धति जैसी है। इसमें किसी अच्छे पेड़ के टिश्यू लेकर लाखों पौधे तैयार किए जा सकते हैं। यह काम कम समय में और अधिक कुशलता से हो जाता है। गुणवत्ता में भी कोई फर्क नहीं पड़ता। इसके साथ ही रोगमुक्त पौधे तैयार होंगे। इसके साथ ही आमतौर पर फसल जल्दी मिल जाती है।

किसानों को पौध देने की शुरुआत होगी

एचएयू के मॉलिक्यूलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी से सहायक वैज्ञानिक डॉ. उपेंद्र बाल्यान ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में आईसीएआर ने मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डिवेलपमेंट ऑफ हॉर्टीकल्चर योजना के तहत 2.50 करोड़ रुपये अगल से मिले हैं, जिसके माध्यम से 25 लाख पौधे प्रतिवर्ष तैयार होंगे। इसमें किसानों को केले के पौधे देने से शुरुआत होगी।

कुछ इस तरह से होगा फायदा

- केले के पौधे पहले कंद से तैयार होते हैं। बड़ी संख्या में केले के पौधों का महाराष्ट्र और दक्षिणी प्रदेशों से परिवहन करना पड़ता था। इसमें पैसा, समय और मेहनत अधिक लगती है। सिर्फ यही नहीं बल्कि गुणवत्ता की कमी और रोग का जोखिम भी होता है। इन सभी समस्याओं को दूर किया जा सकेगा।

- सिर्फ यही नहीं बल्कि ऐसी कई किस्में हैं जिसमें रोगों का खतरा बना रहता है, टिश्यू कल्चर लैब से अधिक मात्रा में ऐसी किस्मों को तैयार किया जा सकेगा। हालांकि एचएयू के कैंपस में राज्य सरकार के साइंस डिपार्टमेंट के प्लांट बॉयोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट में पहले से ही एक लैब स्थापित है। जहां से किसान एलोवेरा, गन्ना आदि पौधों को खरीदते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....

दिनांक 12-1-2019 पृष्ठ सं. ....5.... कॉलम ....4-6....

प्रत्येक उपकरण के लिए 2 से 3 वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए : राजबीर

मुख्यातिथि डा. राजवीर सिंह का स्वागत करते हुए विभागाध्यक्ष डा. रेनु मुंजाल।

हिसार, 11 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलोजी विभाग द्वारा पादप क्रिया विज्ञान प्रयोगों में बुनियादी और अग्रिम साधनों के प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए 2 दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह ने प्रशिक्षण का उद्घाटन किया जबकि निदेशक आर.डी.एस. डा. के.डी. शर्मा कार्यक्रम में विशिष्टातिथि थे।

डा. राजवीर सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक उपकरण के लिए 2 से 3 वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे दूसरों के लिए मास्टर ट्रेनर बन सकें। पाठ्यक्रम निदेशिका डा. रेनु मुंजाल के अनुसार प्रशिक्षण दौरान प्रतिभागियों को स्पैक्ट्रा एग्रीटेक, नई दिल्ली के एम.के. बॉस तथा उनकी टीम में आए 3 अन्य वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

इस प्रशिक्षण में 50 वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम दौरान लगभग 15 उपकरणों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......अमर उजाला, दैनिक ट्रिब्यून......

दिनांक ...12-1-19.... पृष्ठ सं. ...6, 4... कॉलम ...1-2, 7-8...

छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए किया प्रेरित

हिसार। एचएयू के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलोजी विभाग द्वारा पादप क्रिया विज्ञान प्रयोगों में बुनियादी और अग्रिम साधनों के प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने उद्घाटन किया जबकि निदेशक आरडीएस डॉ. केडी शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। डॉ. राजवीर सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक उपकरण के लिए दो से तीन वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे दूसरों के लिए मास्टर ट्रेनर बन सकें। उन्होंने छात्रों को अधिक से अधिक व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने और साधनों का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा प्रशिक्षण में शामिल वैज्ञानिकों से सर्वोत्तम क्षमता का फायदा उठाने के लिए प्रेरित किया। पाठ्यक्रम निदेशिका डॉ. रेणु मुंजाल के अनुसार प्रशिक्षण दौरान प्रतिभागियों को स्पेक्ट्रा एग्रीटेक, नई दिल्ली के एमके बॉस और उनकी टीम में आए तीन अन्य वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

नौकरी प्रदाता बनने को किया प्रेरित

हिसार (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रायोगिक शिक्षण कार्यक्रम (ईएलपी) द्वारा विद्यार्थियों के लिए अपना व्यवसाय शुरू करने विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के होम साइंस कालेज में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में एग्रीकल्चर और होम साइंस कालेजों से 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में एक प्रमुख स्वयं-सेवा कार्यक्रम पंजीकरण और टिकटिंग प्लेटफॉर्म-टाउनसक्रिप्ट के सह-संस्थापक संचित मलिक मुख्य वक्ता थे। व्याख्यान में मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों को नौकरी पाने की अपेक्षा नौकरी प्रदाता बनने के लिए प्रेरित किया।

छात्र व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करें : सिंह

हिसार/11 जनवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलोजी विभाग द्वारा पादप क्रिया विज्ञान प्रयोगों में बुनियादी और आधुनिक साधनों के प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने प्रशिक्षण का उद्घाटन किया जबकि निदेशक आरडीएस डॉ. केडी शर्मा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे। डॉ. राजवीर सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक उपकरण के लिए दो से तीन वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे दूसरों के लिए मास्टर ट्रेनर बन सकें। उन्होंने छात्रों को अधिक से अधिक व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने तथा साधनों का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा प्रशिक्षण में शामिल वैज्ञानिकों से सर्वोत्तम क्षमता का फायदा उठाने के लिए प्रेरित किया। पाठ्यक्रम निदेशिका डॉ. रेणु मुंजाल के अनुसार प्रशिक्षण दौरान प्रतिभागियों को स्पेक्ट्रा एग्रीटेक, नई दिल्ली के एमके बॉस तथा उनकी टीम में आए तीन अन्य वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. विनोद गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में उपकरणों का अपने हाथों से प्रयोग करने, उनके रखरखाव और प्लांट फिजियोलॉजी अनुसंधान कार्यक्रम में उनके प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में 50 वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम दौरान लगभग 15 उपकरणों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......सिटी पल्स......

दिनांक ...11.1.2019... पृष्ठ सं. ......3...... कॉलम ......1-5......

एचएयू में पादप क्रिया विज्ञान प्रयोगों में बुनियादी और अग्रिम साधनों के प्रयोग पर प्रशिक्षण शुरू

स्पेक्ट्रा एग्रीटेक, नई दिल्ली के श्री एमके बॉस तथा उनकी टीम में आए तीन अन्य वैज्ञानिक 15 उपकरणों पर देंगे प्रशिक्षण

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलॉजी विभाग द्वारा पादप क्रिया विज्ञान प्रयोगों में बुनियादी और अग्रिम साधनों के प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने प्रशिक्षण का उद्घाटन किया जबकि निदेशक आरडीएस डॉ. केडी शर्मा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे। डॉ. राजवीर सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक उपकरण के लिए दो से तीन वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे दूसरों के लिए मास्टर ट्रेनर बन सकें। उन्होंने छात्रों को अधिक से अधिक व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने तथा साधनों का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा प्रशिक्षण में शामिल वैज्ञानिकों से सर्वोत्तम क्षमता का फायदा उठाने के लिए प्रेरित किया।

हिसार। मुख्य अतिथि डॉ. राजवीर सिंह का स्वागत करते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. रेणु मुंजाल।

पाठ्यक्रम निदेशिका डॉ. रेणु मुंजाल के अनुसार प्रशिक्षण दौरान प्रतिभागियों को स्पेक्ट्रा एग्रीटेक, नई दिल्ली के श्री एम.के. बॉस तथा उनकी टीम में आए तीन अन्य वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. विनोद गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में उपकरणों का अपने हाथों से प्रयोग करने, उनके रखरखाव और प्लांट फिजियोलॉजी अनुसंधान कार्यक्रम में उनके प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण में 50 वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम दौरान लगभग 15 उपकरणों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हैलो हिसार....

दिनांक 11.1.2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....4-6....

हकृवि में प्लांट फिजियोलोजी ने पादप क्रिया विज्ञान पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आरंभ

हिसार: 11 जनवरी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के बॉटनी एवं प्लांट फिजियोलोजी विभाग द्वारा पादप क्रिया विज्ञान प्रयोगों में बुनियादी और अग्रिम साधनों के प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह ने प्रशिक्षण का उद्घाटन किया जबकि निदेशक आरडीएस डॉ. के.डी. शर्मा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे।

डॉ. राजवीर सिंह ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक उपकरण के लिए दो से तीन वैज्ञानिकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे दूसरों के लिए मास्टर ट्रेनर बन सकें। उन्होंने छात्रों को अधिक से अधिक व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने तथा साधनों का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा प्रशिक्षण में शामिल वैज्ञानिकों से सर्वोत्तम क्षमता का फायदा उठाने के लिए प्रेरित किया।

पाठ्यक्रम निदेशिका डॉ. रेणु मुंजाल के अनुसार प्रशिक्षण दौरान प्रतिभागियों को स्पेक्ट्रा एग्रीटेक, नई दिल्ली के श्री एम.के. बॉस तथा उनकी टीम में आए तीन अन्य वैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। पाठ्यक्रम संयोजक डॉ. विनोद गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में उपकरणों का अपने हाथों से प्रयोग करने, उनके रखरखाव और प्लांट फिजियोलॉजी अनुसंधान कार्यक्रम में उनके प्रयोग का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 14.1.2019 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 3-4

पहले दिन दिखाई फिल्म वैष्णवी ने जीत लिया दर्शकों का दिल

हकृवि के आइजी सभागार में फिल्म फेस्टिवल में अतिथि को सम्मानित करते हुए।

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के चौथे संस्करण का आगाज रविवार को शुरू हो गया। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह ने किया। पहले दिन दिखाई गई फिल्म वैष्णवी ने लोगों का दिल जीत लिया। इस फिल्म को देख लोग न केवल भावूक हो गए, बल्कि संदेश दिया कि किस तरह से कुछ लोग कन्याओं को गर्भ में मार देते हैं और नवरात्र जैसे विभिन्न त्यौहारों पर पूजा करने का ढोंग करते हैं। दरअसल, फिल्म में दिखाया गया है कि कि लोग नवरात्रों पर माता की नई मूर्ति लाते हैं और उसे बाद में नदी में प्रवाहित कर देते हैं। ऐसे में रघुनाथ अपने परिवार संग ऐसा निर्णय लेता है कि जिसे देखकर लोग भावूक हो जाते हैं। वे एक गरीब घर की वैष्णवी नामक लड़की को अपने घर ले आते हैं और उसे अपनी बेटी की तरह रखते हैं। जल्द ही रघुनाथ की लड़की और वैष्णवी में दोस्ती हो जाती है। इसके बाद रघुनाथ उस लड़की की पढ़ाई का पूरा खर्च उठाते हैं। फिल्म के निर्माता एवं निर्देशक धर्मेंद्र डांगी ने ही इस फिल्म में रघुनाथ की भूमिका निभाई है।

चंद्रकांता के मशहूर किरदार अखिलेंद्र ने हरियाणवी गीतों पर लगाए ठुमके : राजरानी एवं उनकी टीम ने हरियाणा की संस्कृति की झलक दिखाते हुए मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत हरियाणवी गीतों और नृत्य के साथ किया। इस दौरान मंच पर पहुंचे चंद्रकांता धारावाहिक के मशहूर किरदार अखिलेंद्र मिश्रा ने भी हरियाणवी गीतों पर खूब ठूमके लगाए।

गणेश के 21 चित्रों में दर्शाई 21 भाषाएं : फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन स्क्रीन पर राजा बुंदेला की फिल्म पीहर सासरा भी दिखाई गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक भास्कर......

दिनांक 14.1.2019 पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....4-5....

एचएयू में चौथे हरियाणवी इंटरनेशनल फिल्म फेस्ट का आगाज

पर्दे पर नजर आए वुमन इम्पावरमेंट और चाइल्ड डिवेलपमेंट के इश्यूज

सिटी रिपोर्टर • फिल्में सिर्फ मनोरंजन ही नहीं करती बल्कि कई सामाजिक बुराइयों पर प्रहार भी करती हैं। फिल्मों के इसी अंदाज के साथ शुरू हुआ चौथा हरियाणवी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल। इसका शुभारंभ हरियाणवी बाल विकास परिषद के महासचिव कृष्ण ढोल ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एचएयू के वीसी प्रो. केपी सिंह ने की। गेस्ट ऑफ ऑनर में अभिनेता अखलेंदर मिश्रा, राजा बुंदेला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आगाज ढोल और लोक गीतों के साथ एचएयू के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में हुआ। पहले दिन ओपनिंग सेरेमनी के साथ ही 5 फिल्में दिखाई गईं। ये फिल्में समाज के महत्वपूर्ण विषय नारी सशक्तिकरण, बाल विकास, सीनियर सिटीजन्स को दिखाती नजर आया। वहीं बाहर डॉ. ज्योत्सना द्वारा पेंटिंग प्रदर्शनी भी लगाई।

पहले दिन इन इश्यूज पर दिखीं फिल्में हरियाणवी फोक नृत्य के साथ ही वंदेमातरम म्यूजिक वीडियो की स्क्रीनिंग हुई। भ्रूण हत्या के मुद्दे व बाल विकास को दिखाती हुई वैष्णवी फिल्म को दिखाया गया। इसके साथ ही म्हारा पीहर सासरा हरियाणवी फिल्म के जरिए दहेज प्रथा विषय पर चोट को पर्दे पर दिखाया जिससे महिला सशक्तिकरण का मुद्दा सामने आया। साथ ही शाम की रोशनी शॉर्ट फिल्म रिटायर हो चुके ग्रुप की कहानी है। जो एक समूह बनाकर एंज्वॉय करते हैं। और 75 क्रॉस करने के बाद भी जिंदगी को खुशहाली के साथ जीते हैं। वहीं विसाइड मी जर्मन फिल्म की स्क्रीनिंग हुई जिसमें पेरेंट्स की अपने बच्चों के लिए हुए संघर्ष की कहानी सामने लाती है।

स्कूलों में हरियाणवी साहित्य को जोड़ें : अखलेंदर मिश्रा

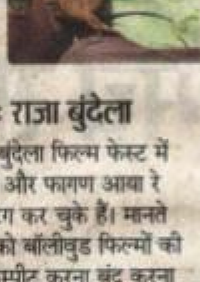

फिल्म फेस्ट में पहुंचे अभिनेता अखलेंदर मिश्रा ने हरियाणवी फिल्म के विकास के ग्राफ के बारे में पूछने पर बताया कि हरियाणवी सिनेमा को आगे लाने के लिए हरियाणवी साहित्य को स्कूलों में कम्पलसरी करना होगा। अपनी संस्कृति से बच्चे शुरू से जुड़ेंगे तो वह स्वतः फिल्म से खुद को जोड़ेंगे। हालांकि यंगस्टर्स हरियाणवी सिनेमा के प्रति जागरूक हो रहे हैं। लोगों को हरियाणवी फिल्में देखने के लिए अपना कर्तव्य समझते हुए जाना होगा।

हरियाणा के ग्रासरूट पर बनें फिल्में : राजा बुंदेला

एक्टर व डायरेक्टर राजा बुंदेला फिल्म फेस्ट में पहुंचे। म्हारा पीहर सासरा और फागण आया रे हरियाणवी फिल्म में एक्टिंग कर चुके हैं। मानते हैं कि हरियाणवी सिनेमा को बॉलीवुड फिल्मों की कॉपी और पॉलीवुड से कम्पीट करना बंद करना होगा। बल्कि हरियाणा के ग्रासरूट पर काम करें। जब दर्शकों के पास बॉलीवुड की फिल्में हैं तो हरियाणवी सिनेमा को अपनी आइडेंटिटी दिखानी होगी। हरियाणवी सिनेमा में हरियाणा की कहानी और हरियाणा के ही कलाकारों को जोड़ना होगा।

आज दिखाई जाएंगी ये फिल्में

• महाकुंभ • खिड़की • चॉइस • गैब • किताब • एफबी लाइव • क्लेमिटी • गुड मॉर्निंग पाकिस्तान • थिरुवंतमकोर

पेंटिंग प्रदर्शनी देखते दर्शक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक जागरण....

दिनांक 13.1.2017 पृष्ठ सं. ...2... कॉलम ...1-5...

कार्यक्रम | एचएयू के आइजी ऑडिटोरियम में 13 से 17 जनवरी तक होगा चौथे हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन

आज होगी हरियाणवी फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत

जागरण संवाददाता, हिसार : संस्कृति सोसायटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलपमेंट एवं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में चौथा हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (हिफ-2017) रविवार से शुरू हो रहा है। 17 जनवरी तक चलने वाला यह पांच दिवसीय फिल्म फेस्टिवल एचएयू के इंदिरा गांधी सभागार में आयोजित किया जाएगा और फेस्टिवल के पहले दिन हरियाणवी फीचर फिल्म म्हारा पीहर सासरा दिखाई जाएगी। 111 मिनट की इस फिल्म के निर्देशक सुदर्शन लाल है। यह फिल्म फेस्टिवल पहली बार 5 दिन का हो रहा है। इसमें देश-विदेश की कुल 76 फिल्में दिखाई जाएंगी। फेस्टिवल की थीम महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास होगी। सुबह 10 बजे फेस्टिवल का शुभारंभ होगा।

फिल्म फेस्टिवल के मुख्य संयोजक धर्मेंद्र ढांगी ने बताया कि पांच दिवसीय फिल्म फेस्टिवल के लिए 20 देशों से 22 भाषाओं में 76 फिल्में दिखाई जाएंगी। इसके लिए उन्हें कुल 316 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी। जिनमें से 76 का चयन किया गया। इनमें 17 फीचर फिल्म, 32 शॉर्ट फिल्म, 4 डॉक्यूमेंटरी फीचर, 5 डॉक्यूमेंटरी, 2 एनीमेशन फिल्म और 16 म्यूजिक वीडियो शामिल हैं। फेस्टिवल में 2 पंजाबी, 2 हरियाणवी और 2 हरियाणवी फीचर फिल्में भी शामिल की गई हैं। 17 जनवरी को समापन अवसर पर सर्वश्रेष्ठ फिल्मों एवं विभिन्न कैटेगिरी में अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे।

मधुर भंडारकर और मेघना मलिक भी करेंगे शिरकत : फेस्टिवल के संयोजक धर्मेंद्र ढांगी ने बताया कि चौथे हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल में देश-विदेश की कई बड़ी हस्तियां शिरकत करेंगी। मशहूर फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर और एक्ट्रेस मेघना मलिक भी इस फेस्टिवल में आएंगे। इनके अलावा एक्टर राजेंद्र गुप्ता, अखिलेंद्र मिश्रा, यशपाल शर्मा, सुधीर पांडे, विनय पाठक, शिशिर शर्मा, राजेश जैस, शशी रंजन, एक्ट्रेस स्मिता जयकर, गुरूषा कपूर, निशिगंधा, सानया इरानी, फिल्म निर्देशक हेमंत प्रदीप, मुदस्सर अजीज के अलावा यूएसए, रूस, ताइवान और बांग्लादेश से भी फिल्म निर्देशक यहां आएंगे।

कल दिखाए जाने वाली फिल्में

- थिरुवियामकोर, शॉर्ट फिल्म, मलयालम, 20 मिनट।
- महाकुंभ, डॉक्यूमेंटरी, हिंदी, 47 मिनट।
- चुमनिया, डॉक्यूमेंट्री, हिंदी, 20 मिनट।
- अंद्राकाहिनी, फिचर फिल्म, बंगाली, 87 मिनट।
- च्वाइस, शॉर्ट फिल्म, मलयालम, 8 मिनट।
- जीएबी, शॉर्ट फिल्म, फ्रेंच, 11 मिनट।
- किताब, शॉर्ट फिल्म, हिंदी, 25 मिनट।
- तर्पण, फीचर फिल्म, हिंदी, 104 मिनट।
- एफबी लाइव, शॉर्ट फिल्म, हिंदी, 12 मिनट।
- द डिजयोगॉटिक ट्विन्स, शॉर्ट फिल्म, फ्रेंच, 8 मिनट।
- कलेमिटी, शॉर्ट फिल्म, फ्रेंच, 21 मिनट।
- सलम पाकिस्तान, फीचर फिल्म, उर्दु, 120 मिनट।

05 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल के लिए 20 देशों से 22 भाषाओं में 76 फिल्में दिखाई जाएंगी

आज दिखाई जाएंगी ये फिल्में

- वंदेमातरम, म्यूजिक वीडियो, हिंदी, 5 मिनट अवधि।
- वैष्णवी -शॉर्ट फिल्म, हिंदी, 6 मिनट।
- म्हारा पीहर सासरा, फीचर फिल्म, हरियाणवी, 111 मिनट अवधि।
- शाम की रोशनी, शॉर्ट फिल्म, हिंदी, 19 मिनट।
- गुड कॉप फैट कॉप, शॉर्ट फिल्म, इंग्लिश, 10 मिनट।
- थीरू गंगाई, शॉर्ट फिल्म, तमिल, 4 मिनट।
- ड्यू ड्रोप्स, शॉर्ट फिल्म, हिंदी, 15 मिनट।
- यूएनएस, हिंदी फिल्म, 107 मिनट।
- माय थ्री ड्रिम्स, शार्ट फिल्म, 5 मिनट।
- द फर्स्ट होम्स, शार्ट फिल्म, 70 मिनट।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 14.1.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 3-6

वैष्णवी ने खींचा ध्यान तो वंदे मातरम् पर थिरके लोग

एच.ए.यू. में फिल्म फैस्टीवल समारोह का रंगारंग आगाज

अखिलेंद्र, राजा बुंदेला सहित पहुंचे कई सितारे

एच.ए.यू. के इंदिरा गांधी ऑडोटोरियम में आयोजित फिल्म फैस्टीवल कार्यक्रम में कांता हुड्डा के नेतृत्व में हरियाणवी ड्रैस पहनकर भाग लेने जाती महिलाएं। (महेंद्र)

हिसार, 13 जनवरी (ब्यूरो): हरियाणा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फैस्टीवल के चौथे संस्करण का आगाज रविवार से हिसार में शुरू हो गया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में समारोह का शुभारंभ मुख्यातिथि कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किया। मायानगरी मुंबई से पहुंचे चंद्रकांता फेम अखिलेंद्र मिश्र और राजा बुंदेला समारोह का विशेष आकर्षण रहे।

संस्कृति सोसायटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डिवैल्पमैंट के बैनर तले एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के सहयोग से चल रहे समारोह में निदेशक धर्मेंद्र डांगी ने बताया कि समारोह महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास को समर्पित है।

इससे पूर्व दीप प्रज्वलन कर गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर धारावाहिक चंद्रकांता के मशहूर किरदार अखिलेंद्र मिश्र का डायलॉग 'याकूब' का हिसार के लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। अखिलेंद्र मिश्र ने कहा कि यह फैस्टीवल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छाप छोड़ेगा।

रविवार को ये दिखाई फिल्में

सर्वप्रथम शॉर्ट फिल्म 'वंदे मातरम्' दिखाई गई। इसकी निर्देशिका दिल्ली से स्वपना मैनी तथा कोरियोग्राफर साई गणेश नागपाल विशेष रूप से पहुंचे। स्वपना ने बताया कि वे असल में दिल्ली में पेंटिंग सिखाती हैं। इस फिल्म में उनके सहयोगी कोरियोग्राफर साई गणेश नागपाल ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। स्वपना ने कहा कि कला का असली अर्थ उसे परमात्मा से जोड़ने को लेकर होता है।

वैष्णवी ने जीता दिल

दूसरे नंबर पर दिखाई गई फिल्म वैष्णवी ने सबका दिल जीत लिया। फिल्म के निर्माता एवं निर्देशक धर्मेंद डांगी ने इसमें एक मंजे हुए कलाकार की तरह दिखे। आमतौर पर एक हरियाणवी लहजे वाला साधारण-सा दिखने वाला यह कलाकार इस प्रकार के गंभीर और प्रासंगिक रोल भी निभा सकता है, यह वैष्णवी में स्पष्ट दिखता है। असल में वैष्णवी में एक संदेश दिया गया है कि लोग नवरात्रों पर माता की नई मूर्ति लाते हैं तथा उसे बाद में नदी में प्रवाहित कर देते हैं। इसके अलावा स्क्रीन पर राजा बुंदेला की फिल्म पीहर सासरा भी दिखाई गई। इससे पूर्व राजरानी एवं टीम ने हरियाणा की संस्कृति की झलक दिखाते हुए मुख्यातिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत जोर-शोर से किया। वहीं मंच संचालन अल्पना सुहासिनी, रूपम अहलावत एवं समीर चौधरी ने संभाला। वहीं गुजविप्रौवि से डा. ज्योत्सना मिहिर की स्टाल 'गणेश इन ग्राफिक्स' विशेष आकर्षण रही। इसमें गणेश भगवान के 21 चित्र प्रदर्शित किए गए, जोकि 21 भाषाओं को दर्शा रहे हैं। इस अवसर पर रिटायर्ड आई.ए.एस. आर.आर. फूलिया, कृष्ण ढुल, धर्मेंद डांगी व नकुल आदि मौजूद रहे।